Date 15.07.25

Publication: Hindustan (Ranchi)

फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी अत्यंत जरूरी : पीएम प्रसाद

कोल इंडिया

रांची, संवाददाता। कुशल कोयला परिवहन के लिए फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, यह अंडरलोडिंग और ओवरलोडिंग की समस्याओं का समाधान करती हैं। यह बातें सोमवार को कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद ने कही। वे रेडिशन ब्लू होटल में सीएमपीडीआई की ओर से आयोजित फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स की चुनौतियों पर एक-दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

इससे पहले उन्होंने कार्यशाला का उद्घाटन किया। वहीं, आगे बोलते हुए उन्होंने इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का आग्रह किया और चुनौतियों से निपटने के लिए हितधारकों के सहयोगात्मक प्रयासों पर जोर दिया। मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने कोयला क्षेत्र में सतत विकास और दक्षता के लिए फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी को एक रणनीतिक प्राथमिकता बनाने पर जोर दिया। कोल इंडिया के निदेशक (तकनीकी) अच्युत घटक ने एफएमसी परियोजनाओं की स्थिति प्रस्तुत की और पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ परिवहन साधन के रूप में इनके महत्व पर जोर दिया। डब्ल्यूसीएल के सीएमडी जेपी द्विवेदी और सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह, कोल इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी ने भी सत्र को संबोधित किया।

Date 15.07.25

Publication: Dainik Bhaskar (Ranchi)

फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स की चुनौतियों पर कार्यशाला का आयोजन

कोयला परिवहन के लिए फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स जरूरी : प्रसाद

विशेष संवाददाता | रांची

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी सीएमपीडीआई ने सोमवार को फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाओं की चुनौतियों पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य कोयला और ऊर्जा क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों, सरकारी निकायों, नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को पर्यावरण हितैषी कोयला निकासी से जुड़ी जटिलताओं और नवाचारों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच पर लाना था। फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी कोल इंडिया की प्रमुख पहल है और इसका उद्देश्य अत्याधुनिक कोल हैंडलिंग प्लांट्स साइलो और रैपिड लोडिंग सिस्टम के माध्यम से कोयला हैंडलिंग को मशीनीकृत करके खदान स्थल से रेलवे साइडिंग तक कोयले के सड़क परिवहन को समाप्त करना है।

चेयरमैन पीएम प्रसाद ने कहा कि कुशल कोयला परिवहन के लिए फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जो अंडरलोडिंग और ओवरलोडिंग की समस्याओं का समाधान करती हैं। उन्होंने इन परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों पर जोर दिया।

पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ परिवहन साधनों पर जोर

कोल इंडिया के निदेशक तकनीकी अच्युत घटक ने एफएमसी परियोजनाओं की स्थिति प्रस्तुत की और पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ परिवहन साधन के रूप में इनके महत्व पर जोर दिया। डब्ल्यूसीएल के सीएमडी जेपी द्विवेदी और सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह, कोल इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, सीएमपीडीआई और सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार ने भी सत्र को संबोधित किया। इससे पहले कोल इंडिया के चेयरमेन पीएम प्रसाद ने सीएमपीडीआई के सीएमडी मनोज कुमार, कोल इंडिया के निदेशक तकनीकी अच्युत घटक, डब्ल्यूसीएल के सीएमडी जेपी द्विवेदी, सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

कोयला क्षेत्र में विकास व दक्षता के लिए बने रणनीति : मनोज कुमार

सीएमपीडीआई के सीएमडी मनोज कुमार ने कोयला क्षेत्र में सतत विकास और दक्षता के लिए फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी को एक रणनीतिक प्राथमिकता बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला ने कोल इंडिया की सहायक कंपनियों, ईपीसी ठेकेदारों, विक्रेताओं और सीएमपीडीआई को अनुभव साझा करने, चुनौतियों की पहचान करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए मंच प्रदान किया है।